RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
10
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत–इजरायल निवेश समझौता / India–Israel Investment Agreement

संदर्भ:

भारत और इज़राइल ने नई दिल्ली में **द्विपक्षीय निवेश समझौते (BIA)** पर हस्ताक्षर कर आर्थिक संबंधों को और मजबूत किया है। इस समझौते पर हस्ताक्षर भारत के वित्त मंत्री और इज़राइल के वित्त मंत्री बेज़ाले स्मोट्रिच की उपस्थिति में हुए। यह समझौता दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग को नए स्तर पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत–इज़रायल निवेश समझौता (BIA):

परिचय

- इज़रायल, **OECD (Organisation for Economic Co-operation and Development)** का पहला सदस्य देश बन गया है जिसने भारत के **नए मॉडल संधि ढाँचे** के तहत निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह समझौता (BIA) 1996 में हुए पुराने निवेश समझौते की जगह लेता है, जिसे भारत ने **2017 में समाप्त कर दिया था**।

समझौते की मुख्य बातें:

1. **निवेश को बढ़ावा:**
   - यह समझौता भारत और इज़रायल के बीच **द्विपक्षीय निवेश** को बढ़ाएगा।
   - फिलहाल दोनों देशों का कुल निवेश लगभग **800 मिलियन अमेरिकी डॉलर** है।
2. **निवेशकों की सुरक्षा:**
   - नए समझौते में निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।
   - साथ ही, **क्रॉस-बॉर्डर निवेश** को बढ़ावा दिया गया है।
3. **प्रमुख क्षेत्र:**
   - नवाचार (Innovation)
   - अवसंरचना विकास (Infrastructure Development)
   - वित्तीय विनियमन (Financial Regulation)
   - डिजिटल सेवाएँ (Digital Services)
4. **आर्थिक सहयोग:** यह समझौता दोनों देशों की **आर्थिक सहयोग बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता** को दर्शाता है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)

1. **परिचय:**
   - यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसमें **38 देश** शामिल हैं।
   - उद्देश्य: लोकतंत्र और बाज़ार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।
2. **स्थापना:**
   - **1961 में स्थापित।**
   - यह संगठन **OEEC (Organisation for European Economic Co-operation, 1948)** से विकसित हुआ, जिसे **द्वितीय विश्व युद्ध** के बाद **मार्शल प्लान** लागू करने के लिए बनाया गया था।

मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस।

मोटो (Motto):

- *"Better Policies for Better Lives"*
- हिंदी में: **"बेहतर जीवन के लिए बेहतर नीतियाँ"**

आधिकारिक भाषाएँ: अंग्रेज़ी और फ्रेंच।

इस्राइल (Israel)

1. **भौगोलिक स्थिति:**
   - मध्य पूर्व में स्थित देश।
   - दक्षिण-पूर्वी भूमध्य सागर के पूर्वी छोर पर।
   - **सीमाएँ:**
     - उत्तर: लेबनान
     - पूर्व: सीरिया और जॉर्डन
     - दक्षिण-पश्चिम: मिस्र
2. **राजनीतिक व ऐतिहासिक महत्व:**
   - यहूदियों का मूल निवास स्थान।
   - ईसाई, इस्लाम और यहूदी – तीनों धर्मों में विशेष महत्व।
   - उन्नीसवीं सदी के अंत और बीसवीं सदी की शुरुआत में यूरोप में यहूदियों पर अत्याचार के कारण यहूदी यहाँ आकर बसने लगे।
   - **1948 में आधुनिक इस्राइल राष्ट्र की स्थापना** हुई।
3. **राजधानी व प्रमुख शहर:**
   - राजधानी: **यरुशलम**
   - प्रमुख शहर: **हाइफ़ा**
4. **भाषा और संस्कृति:**
   - प्रमुख भाषा: **इब्रानी (Hebrew)** – दाएँ से बाएँ लिखी जाती है।
   - निवासियों को: **इस्राइली** कहा जाता है।
5. **आर्थिक स्थिति:**
   - **2010 से OECD का सदस्य।**
   - जीडीपी के हिसाब से स्थान: **29वाँ**
   - प्रति व्यक्ति जीडीपी के हिसाब से स्थान: **13वाँ**

ब्रिक्स वर्चुअल शिखर सम्मेलन / BRICS Virtual Summit

संदर्भ:

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 8 सितंबर, सोमवार को ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा द्वारा बुलाई गई वर्चुअल **ब्रिक्स नेताओं की बैठक** में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अमेरिका की टैरिफ नीतियों से उत्पन्न हो रही वैश्विक व्यापार की बढ़ती अव्यवस्थाओं पर चर्चा करना था।

सम्मेलन में भारत का रुख (India's Stand During the Summit)

1. भारत का मानना है कि **अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली** के मूल सिद्धांत –
   - Non-discriminatory (भेदभाव रहित)
   - Rules-based norms (नियम-आधारित मानदंड) को सुरक्षित रखना आवश्यक है।
2. विश्व स्तर पर **अधिक लचीली (resilient) और विश्वसनीय (reliable) सप्लाई चेन** विकसित करने की ज़रूरत है।
3. भारत ने जोर दिया कि **रचनात्मक (constructive) और सहयोगात्मक दृष्टिकोण** अपनाकर ही टिकाऊ (sustainable) व्यापार को बढ़ावा दिया जा सकता है।

यह बैठक क्यों महत्वपूर्ण है:

1. इस वर्चुअल सम्मेलन से किसी बड़े **नीति बदलाव (policy shift)** या **संयुक्त बयान** की उम्मीद नहीं है जो सीधे अमेरिका को चुनौती दे।
2. फिर भी, बैठक अहम है क्योंकि यह दर्शाती है कि **अमेरिका की टैरिफ नीतियाँ** किस तरह से वैश्विक आर्थिक समीकरणों (global economic alignments) को बदल रही हैं।
3. इन नीतियों के कारण **उभरती अर्थव्यवस्थाएँ (emerging economies)** अब व्यापार से जुड़े मुद्दों पर आपस में अधिक तालमेल (coordination) बनाने को मजबूर हो रही हैं।
4. यह बैठक यह भी दिखाती है कि भारत जैसे देशों के सामने **पश्चिमी साझेदारों** और **ब्रिक्स देशों (BRICS counterparts)** दोनों के साथ संतुलन बनाने की चुनौती है।

ब्रिक्स (BRICS) के बारे में:

1. **परिचय:** BRICS पाँच प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह है – **ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका**।
   - हाल ही में **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** नए पूर्ण सदस्य बने हैं।
2. **उत्पत्ति (Origin)**
   - "BRIC" शब्द की अवधारणा 2001 में अर्थशास्त्री **जिम ओ'नील** ने दी थी।
   - एक औपचारिक समूह के रूप में BRIC की शुरुआत 2006 में हुई, जब रूस, भारत और चीन के नेताओं की मुलाक़ात **G8 Outreach Summit** के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में हुई।
   - उसी वर्ष **UNGA (संयुक्त राष्ट्र महासभा)** के दौरान न्यूयॉर्क में BRIC विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में इसे औपचारिक रूप मिला।
   - 2010 में **दक्षिण अफ्रीका** को शामिल किए जाने के बाद इसे **BRICS** कहा जाने लगा।

3. **सम्मेलन (Summits)**
   - 2009 से हर साल BRICS की वार्षिक बैठक/सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।
   - हर सदस्य देश बारी-बारी से एक वर्ष के लिए अध्यक्षता करता है और प्राथमिकताएँ तय करता है।
   - फैसले आम सहमति (consensus-based decision-making) से लिए जाते हैं।
4. **वैश्विक योगदान (Global Contribution)**
   - BRICS विश्व की लगभग **49.5% जनसंख्या**,
   - लगभग **40% वैश्विक GDP**,
   - और लगभग **26% वैश्विक व्यापार** का प्रतिनिधित्व करता है।
5. **मुख्य स्तंभ (Pillars of BRICS)**
   - राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग
   - आर्थिक और वित्तीय सहयोग
   - सांस्कृतिक और जन-से-जन (people-to-people) आदान-प्रदान
6. **न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB)**
   - पहले इसे BRICS Development Bank कहा जाता था।
   - यह एक बहुपक्षीय विकास बैंक है, जिसे BRICS देशों ने स्थापित किया।
   - यह बैंक सार्वजनिक और निजी परियोजनाओं को **ऋण, गारंटी, इक्विटी निवेश** और अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से समर्थन देता है।

हिमाचल प्रदेश भारत का चौथा पूर्ण साक्षर राज्य / Himachal Pradesh is the fourth fully literate state of India

संदर्भ:

हिमाचल प्रदेश अब भारत का चौथा **पूर्ण साक्षर राज्य** बन गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि राज्य की साक्षरता दर 99.3 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत 95 प्रतिशत से अधिक है। इस उपलब्धि के साथ हिमाचल प्रदेश मिज़ोरम, त्रिपुरा और गोवा की सूची में शामिल हो गया है।

पूर्ण साक्षरता (Full Literacy):

- **परिभाषा:** किसी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में **95% साक्षरता दर** हासिल करना ही **पूर्ण साक्षरता** कहलाता है। शिक्षा मंत्रालय इसे व्यावहारिक रूप से **100% साक्षरता** के बराबर मानता है।
- **केवल पढ़ना-लिखना ही नहीं:** यह पारंपरिक साक्षरता (पढ़ना, लिखना और गणना) से आगे बढ़कर इन कौशलों को भी शामिल करता है–
  - **डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy)** – डिजिटल साधनों का उपयोग और समझ।
  - **वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy)** – धन प्रबंधन और वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता।
  - **जीवनोपयोगी कौशल (Critical Life Skills)** – विभिन्न परिस्थितियों में जानकारी को **समझना, व्याख्या करना, तैयार करना और आलोचनात्मक रूप से उपयोग करना**।

योजना : ULLAS (Understanding of Lifelong Learning for All in Society):

यह एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना** है, जिसका उद्देश्य **15 वर्ष और उससे अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों को साक्षर बनाना** है।

मुख्य तथ्य:

- **मंत्रालय (Ministry)** – शिक्षा मंत्रालय (MoE)
- **अवधि (Tenure)** – वित्त वर्ष 2022 से 2027 तक (5 वर्ष)
- **कार्यान्वयन (Implementation)** – यह योजना **स्वयंसेवकों पर आधारित** है। छात्र-छात्राएँ और स्थानीय समुदाय इसमें शिक्षण और अधिगम (learning) के लिए सहयोग देते हैं।
- **लाभार्थी (Beneficiaries)** –
  - लाभार्थियों की पहचान **मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर सर्वे** करके की जाती है।
  - **15 वर्ष से अधिक आयु के सभी अशिक्षित व्यक्ति** योजना का लाभ ले सकते हैं।

उद्देश्य (Objective):

- सभी अशिक्षित वयस्कों (15+) को शिक्षित करना, विशेषकर **महिलाओं और शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों** पर फोकस।
- **5 करोड़ शिक्षार्थियों** (हर साल 1 करोड़) को **ऑनलाइन टीचिंग, लर्निंग और असेसमेंट सिस्टम (OTLAS)** के माध्यम से शिक्षित करना।
- यह प्रणाली **NIC, NCERT और NIOS** द्वारा विकसित की गई है।

साक्षरता पर सरकार की पहलें:

1. समग्र शिक्षा अभियान:

- यह एक समेकित कार्यक्रम है जो प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा को कवर करता है।
- उद्देश्य – समावेशी (inclusive) और समान (equitable) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020:

- इसके तहत राष्ट्रीय मिशन ऑन फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी शुरू किया गया।
- लक्ष्य – सभी प्राथमिक विद्यालयों में वर्ष 2025 तक सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और गणन क्षमता (Foundational Literacy & Numeracy) सुनिश्चित करना।
- इसके लिए राज्य-विशिष्ट लक्ष्य और समय-सीमा तय की गई हैं।

3. निपुण भारत:

- उद्देश्य – सभी बच्चों को कक्षा 3 तक (2026–27 तक) सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और गणन क्षमता दिलाना।
- यह योजना समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत चलाई जाती है।
- क्रियान्वयन – इसमें **पाँच स्तरों की संरचना** है: राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, जिला स्तर, ब्लॉक स्तर, विद्यालय स्तर

हिमाचल प्रदेश से पहले तीन राज्य साक्षर:

- मिजोरम (98.2%)
- गोवा (99.5%) और
- त्रिपुरा (95.6%)

पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया जा चुका है। वहीं, जून 2024 में लद्दाख 97% साक्षरता दर के साथ देश का पहला पूर्ण साक्षर केंद्र शासित प्रदेश बना। शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव अर्चना शर्मा अवस्थी ने बताया कि इस वर्ष के अंत तक और 10 राज्यों के पूर्ण साक्षर बनने की संभावना है।

मस्तिष्क खाने वाला अमीबा / Brain-eating amoeba

संदर्भ:

केरल में नाएग्लेरिया फॉवलेरी (Naegleria fowleri) यानी ब्रेन-ईटिंग अमीबा का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस महीने अब तक पाँच लोगों की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं।

केरल में बढ़ते मामले:

केरल में ब्रेन-ईटिंग अमीबा का संक्रमण लगातार गंभीर रूप ले रहा है। पिछले एक महीने में ही पाँच मौतें दर्ज की जा चुकी हैं।

- यह खतरनाक जीव गर्म और रुके हुए ताजे पानी जैसे तालाब, कुएं, नदियाँ और ठीक से क्लोरीन न किए गए स्विमिंग पूल में तेजी से पनपता है, संक्रमण तब होता है जब दूषित पानी तैराकी या नहाने के दौरान नाक के रास्ते शरीर में प्रवेश करता है।
- इसके बाद यह अमीबा सीधे दिमाग तक पहुँचकर प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM) नामक बीमारी पैदा करता है। यह रोग बेहद घातक है और विश्व स्तर पर इसकी मृत्यु दर 97% से अधिक बताई जाती है।

अमीबा:

अमीबा एक **सूक्ष्म, एककोशिकीय (unicellular)** जीव है, जिसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अपना आकार बदल सकता है। ये प्राय: तालाब, झील, गंदे या रुके हुए पानी तथा धीमी गति से बहने वाली नदियों में पाए जाते हैं। सामान्य रूप से यह हानिरहित होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में मानव शरीर में प्रवेश कर बीमारियाँ पैदा कर सकता है।

नेगलेरिया फाउलेरी (Naegleria fowleri)-

1. परिचय:

- यह एक **सूक्ष्म अमीबा (micro amoeba)** है।
- मुख्य रूप से **गर्म और उथले मीठे पानी** जैसे झीलें, नदियाँ, गर्म झरने में पाया जाता है।
- खासतौर पर **30°C से अधिक तापमान** वाले पानी में तेजी से बढ़ता है।
- **ठंडे या समुद्री पानी** में नहीं पनपता।
- यह **मिट्टी में भी मौजूद** हो सकता है।
- इसे **"स्वतंत्र जीव" (free-living organism)** कहा जाता है क्योंकि इसे जीवित रहने के लिए किसी मेज़बान की ज़रूरत नहीं होती।

2. संक्रमण कैसे होता है?

- जब **संक्रमित पानी नाक के जरिए शरीर में प्रवेश करता है**, तब संक्रमण होता है।
- नाक से होते हुए यह सीधे मस्तिष्क तक पहुँच जाता है।
- संक्रमण के सामान्य कारण: तैराकी, गोताखोरी, वाटर स्पोर्ट्स, नल का पानी या **क्लोरीन की कमी वाले स्विमिंग पूल**

3. शरीर पर असर

- आकार: **10–25 माइक्रोमीटर**, जिसे **नंगी आंख से नहीं देखा जा सकता**।
- मस्तिष्क में पहुँचते ही यह तेजी से संख्या बढ़ाता है।
- यह **न्यूरॉन्स से पोषण लेता है** और **गर्म वातावरण** इसके विकास में मदद करता है।
- यह **एंजाइम और विषैले पदार्थ** छोड़ता है → जिससे
  - मस्तिष्क में सूजन (Swelling)
  - रक्तस्राव (Bleeding) होता है।
- इसी कारण इसे **"Brain-eating Amoeba" (ब्रेन खाने वाला अमीबा)** कहा जाता है।

4. होने वाली बीमारी:

- यह संक्रमण **प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM)** नामक बीमारी पैदा करता है।
- यह **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (Central Nervous System - CNS)** को प्रभावित करता है।
- PAM लगभग हमेशा **घातक (fatal)** साबित होती है।

लक्षण: संक्रमण के लक्षण 1 से 9 दिनों के भीतर प्रकट होने लगते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- **तेज बुखार और उल्टी, भयंकर सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, मानसिक भ्रम, दौरे और बेहोशी**

नेग्लेरिया फाउलेरी से बचाव:

- गर्म और शांत मीठे पानी में बिना नाक बंद किए तैराकी या जलक्रीड़ा न करें।
- नेति पॉट या नाक धोने के लिए नल का पानी न लें, केवल उबला हुआ या जीवाणुरहित पानी ही उपयोग करें।
- ऊँचाई वाले स्थानों पर पानी को कम से कम 3 मिनट तक उबालें और फिर ठंडा करके इस्तेमाल करें।
- सुरक्षित पानी के लिए "NSF 53", "NSF 58" या "1 माइक्रोन फ़िल्टर" का प्रयोग करें।
- पानी को कीटाणुरहित करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का प्रयोग किया जा सकता है।
- गर्म पानी के संपर्क के बाद यदि बुखार या सिरदर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएँ और अपनी यात्रा का ज़िक्र करें।

अमेरिकी टैरिफ वित्त वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 0.5% की कटौती कर सकते हैं / US tariffs could cut 0.5% from India's GDP in FY26

संदर्भ:

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से भारत की जीडीपी पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 0.5 प्रतिशत तक का असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि ये टैरिफ कितने समय तक लागू रहते हैं। यदि ये टैरिफ लंबे समय तक बने रहते हैं, तो जीडीपी में 0.5 से 0.6 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है।

पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रही-

- वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है।
- यह पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज़ वृद्धि है। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और एग्रीकल्चर सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन के कारण इस तिमाही में जीडीपी में उछाल आया है।

RBI ने 6.5% इकोनॉमी ग्रोथ का अनुमान जताया था

- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने अपनी मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग **(6 अगस्त)** में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अर्थव्यवस्था की विकास दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा।
- RBI गवर्नर ने कहा कि मौसमी हालात अच्छे हैं और मानसून सीजन ठीक चल रहा है। इसके अलावा, त्योहारों का सीजन भी नजदीक आने के कारण आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बारे में-

जीडीपी किसी देश की आर्थिक गतिविधियों का माप है और यह दर्शाता है कि एक निश्चित अवधि में देश की सीमाओं के भीतर कितनी अंतिम वस्तुएं और सेवाएं उत्पादित हुई हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था के आकार और स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक है। जीडीपी में वृद्धि अर्थव्यवस्था के विस्तार और जीवन स्तर में सुधार को दर्शाती है, जबकि गिरावट मंदी और आर्थिक कठिनाइयों का संकेत देती है।

जीडीपी की गणना कैसे की जाती है-

जीडीपी की गणना का फॉर्मूला है: **GDP = C + G + I + NX**

- जिसमें C = घरेलू खर्च
- G = सरकारी खर्च
- I = निवेश और
- NX = नेट एक्सपोर्ट (निर्यात – आयात) होता है।

इसे दो प्रकार में मापा जाता है- **नॉमिनल GDP**, जो वर्तमान कीमतों पर होती है, और **रियल GDP**, जो स्थिर कीमतों पर आधारित होती है।

जीडीपी पर कई कारक असर डालते हैं-

- उपभोक्ताओं की खरीदारी और प्राइवेट सेक्टर का विकास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाते हैं, जबकि सरकारी खर्च भी GDP में योगदान देता है।
- इसके अलावा, निर्यात और आयात के अंतर (नेट डिमांड) का भी GDP पर प्रभाव पड़ता है; यदि आयात निर्यात से ज्यादा हों, तो इसका GDP पर नकारात्मक असर होता है।

जीडीपी का महत्व:

- जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन और स्वास्थ्य का मुख्य पैमाना है।
- इसका बढ़ना आर्थिक विकास को दर्शाता है, जिससे रोजगार और आय के अवसर बढ़ते हैं।

जीडीपी का डेटा सरकारों को नीतियां बनाने और देश की आर्थिक स्थिति पर नज़र रखने में मदद करता है, वहीं निवेशकों के लिए यह यह तय करने का महत्वपूर्ण संकेत देता है कि किस क्षेत्र में निवेश करना लाभकारी होगा।

अमेरिका के 50% टैरिफ से भारत पर असर:

भारत से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 27 अगस्त से 50% टैरिफ लागू हो गया है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के अनुसार, यह भारत के लगभग ₹5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है।

इस टैरिफ के कारण कपड़े, ज्वेलरी, फर्नीचर और सी-फूड जैसे भारतीय उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे, जिससे इनकी मांग में लगभग 70% तक कमी आ सकती है।

वहीं, चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश अपने उत्पाद सस्ते दाम पर बेचकर भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी घटा सकते हैं।

भारत पर टैरिफ क्यों लगाया: अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया है कि भारत की रूसी तेल आयात से मॉस्को को युद्ध फंडिंग में मदद मिल रही है। इसके जवाब में उन्होंने भारत से आने वाले आयात पर शुल्क को दोगुना कर **50%** कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड / IESO-2025

संदर्भ:

पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने चीन में आयोजित **अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (IESO-2025)** में भाग लेने वाली भारतीय टीम के विजेता छात्रों को सम्मानित किया। इस सम्मान के जरिए वैश्विक मंच पर पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में भारत की युवा प्रतिभा को उजागर किया गया।

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (International Earth Sciences Olympiad – IESO):

- **स्थापना: 2003**, अंतरराष्ट्रीय भू-विज्ञान शिक्षा संगठन (IGEO) द्वारा।
- **प्रकृति:** यह **12 अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड** में से एक है।
- **स्वरूप**: हर साल आयोजित होने वाली प्रतियोगिता, जिसमें **कक्षा 9 से 12** तक के विद्यार्थी हिस्सा लेते हैं।
- भारत की भागीदारी: **2007 से**।
- **मेज़बानी**: भारत ने **2013 में मैसूर** में 10वां संस्करण आयोजित किया था।
- **उद्देश्य**:
  - पूरे विश्व में भू-विज्ञान शिक्षा के स्तर को बढ़ाना।
  - पृथ्वी विज्ञान (Earth Sciences) के प्रति जागरूकता फैलाना।

अंतरराष्ट्रीय भू-विज्ञान शिक्षा संगठन (International Geoscience Education Organization – IGEO)

- स्थापना: **2000**।
- प्रकृति: **गैर-सरकारी और गैर-लाभकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन**।
- **उद्देश्य:** सभी स्तरों पर भू-विज्ञान शिक्षा (स्कूल, विश्वविद्यालय और सार्वजनिक स्तर) को बढ़ावा देना।
- सदस्यता: दुनिया भर के भू-विज्ञान शिक्षक, संस्थान और संगठन इसका हिस्सा बन सकते हैं।

जेनरेशन Z / Generation Z

संदर्भ:

नेपाल हाल ही में सोशल मीडिया बैन के बाद **जनरेशन-ज़ी** (Gen Z) के उग्र प्रदर्शनों का गवाह बना। इन विरोध प्रदर्शनों में 19 लोगों की मौत हुई और इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री **के. पी. शर्मा ओली** को इस्तीफा देना पड़ा।

जेनरेशन Z (Generation Z)

- **समयावधि**: लगभग **1997 से 2012** के बीच जन्मे लोग।
- **स्थान**: यह **मिलेनियल्स (Millennials)** के बाद और **जेनरेशन अल्फ़ा (Generation Alpha)** से पहले की पीढ़ी है।
- **दूसरा नाम**: इन्हें **"डिजिटल नेटिव्स (Digital Natives)"** भी कहा जाता है क्योंकि ये तकनीकी दुनिया में बड़े हुए हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

- **तकनीकी परिवेश**: इंटरनेट और स्मार्टफ़ोन की लगातार पहुँच में पले-बढ़े।
- **वित्तीय दृष्टिकोण**: पैसों के मामले में व्यावहारिक और सावधान।
- **सामाजिक सोच**: न्याय के लिए सक्रिय आवाज़ उठाते हैं।
- **मानसिक स्वास्थ्य**: मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूक और संवेदनशील।
- **पर्यावरण चिंता**: जलवायु परिवर्तन के प्रति सजग।
- **संपर्क का तरीका**: डिजिटल माहौल में बड़े होने के बावजूद आमने-सामने (Face-to-Face) बातचीत को प्राथमिकता देते हैं।

क्रांति के कारण:

1. **सोशल मीडिया बैन:** सरकार ने **Facebook, WhatsApp, Instagram, YouTube, X** समेत 26 बड़े प्लेटफ़ॉर्म को बैन किया।
   - कारण: रजिस्ट्रेशन नियमों का पालन न करना।
   - असर: युवाओं ने इसे **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला** माना।
2. **भ्रष्टाचार के आरोप:** लगभग सभी वरिष्ठ राजनीतिक नेता **भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे** हैं।
   - नतीजा: लोकतांत्रिक संस्थाओं पर युवाओं का भरोसा कम हुआ।
3. **रोज़गार और अवसरों की कमी:** नेपाली युवाओं में **82% मजदूर अनौपचारिक रोजगार** में हैं।
   - नौकरियाँ सीमित होने के कारण कई युवा **विदेश में काम की तलाश** कर रहे हैं।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
Baaten Bazaar ki
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

EMI AVAILABLE

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR